पंडित दीनदयाल उपाध्याय

एकात्म मानव दर्शन—विविध आयाम

संपादक : मनोज कुमार सक्सेना

आचार्य मनोज कुमार सक्सेना हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला के शिक्षा स्कूल के अधिष्ठाता तथा अध्यापक शिक्षा विभाग के अध्यक्ष हैं। उन्होंने वाणिज्य निष्णात तथा शिक्षा निष्णात की उपाधि तथा शिक्षा विषय में विद्यावाचस्पति की उपाधि महात्मा ज्योतिबा फुले विश्वविद्यालय, बरेली (उत्तर प्रदेश) प्राप्त की है। वे अध्यापक शिक्षक के रूप में गत 20 वर्षों से विभिन्न संस्थानों में कार्यरत रहे हैं। शिक्षा में सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी, जनजातीय शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा उनकी रुचि तथा विशेषज्ञता के क्षेत्रों में सम्मिलित हैं। उनके दिशा निर्देशन में पांच शोधार्थियों ने अपनी विद्यावाचस्पति की उपाधि प्राप्त की है तथा वर्तमान में छह शोधार्थी अपना शोध कार्य कर रहे हैं। उन्होंने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा वित्त पोषित एक राष्ट्रीय शोध परियोजना (2014) 'अनुसूचित जनजातियों की शैक्षणिक अवस्था : प्राप्तियां और चुनौतियां' को हिमाचल प्रदेश के शोध निर्देशक के रूप में पूर्ण किया है। उन्होंने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा वित्त पोषित एक और प्रमुख शोध परियोजना (2017) को पूर्ण किया है। वर्तमान में एशिया के कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित मुक्त शैक्षिक स्रोत के विकास हेतु एक परियोजना पर वे अभी कार्यरत हैं। वे हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला की कार्यकारिणी परिषद् तथा अकादमिक परिषद् के सदस्य तथा शिक्षा स्कूल के स्कूल बोर्ड के अध्यक्ष तथा अध्यापक शिक्षा विभाग की पाठ्य समिति के अध्यक्ष भी हैं।

उनके द्वारा अब तक 5 पुस्तकें तथा 75 शोधपत्र विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के जर्नलों में प्रकाशित किए गए हैं। उन्होंने भारत में तथा भारत के बाहर विभिन्न सेमिनारों में लगभग 72 शोध पत्रों को प्रस्तुत तथा उनमें अपना योगदान दिया है। उन्होंने भारत के विभिन्न प्रदेशों में बहुत सी राष्ट्रीय सेमिनारों में मुख्य वक्ता के रूप में अपना उद्‌बोधन दिया है। वे एम.एड., बी. एड. तथा डी.एड. कार्यक्रमों को मान्यता देने के लिए अध्यापक शिक्षा परिषद् की विजिटिंग दल के सदस्य हैं। उन्होंने शैक्षिक तथा सामाजिक कार्यों से थाईलैंड तथा नेपाल देशों की यात्रा की है।

इन अकादमिक कार्यों के अतिरिक्त उन्हें भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा 1988 में राष्ट्रपति स्काउट से अलंकृत किया गया। वहे रोटरी अंतर्राष्ट्रीय के रोटरी युवा नेतृत्व पुरस्कार 1989 से सम्मानित हैं।

₹ 800
ISBN 978-81-7975-940-0
9 788179 759400
अनामिका